This question paper contains 8 printed pages]

452

M.A. (Prev.) Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper II

काव्य-I (प्राचीन काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

इस प्रश्न-पत्र के तीन खण्ड निम्नानुसार हैं :

खण्ड 'अ' ***Max. Marks-10***

*इस खण्ड में **एक** अनिवार्य प्रश्न है जिसमें **10** भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग **20** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' ***Max. Marks-50***

*इस खण्ड में **10** प्रश्न हैं। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न का चयन करते हुए, कुल **5** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' ***Max. Marks-40***

*इस खण्ड में **4** प्रश्न हैं, प्रश्न के उप-भाग हो सकते हैं। इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा। प्रश्न संख्या **12** (इस खण्ड का प्रथम प्रश्न) अनिवार्य होगा। शेष **3** प्रश्नों में से **1** प्रश्न का उत्तर दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **500** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-अ

1. (क) 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता का नाम क्या है ?

(ख) 'पृथ्वीराज रासो' काव्य के पद्मावती समय में, पृथ्वीराज का किससे युद्ध हुआ ?

(ग) विद्यापति का जन्म कहाँ और किस परिवार में हुआ ?

(घ) विद्यापति के पदों के हस्तलिखित संग्रह कहाँ-कहाँ पर मिलते हैं ?

(ङ) पदमावत काव्य के अनुसार सिंहलद्वीप का राजा कौन था ?

(च) नागमती कहाँ की रानी थी ?

(छ) कबीर किस प्रकार की भक्ति के उपासक थे ?

https://www.uokonline.com

(ज) दादू के उपदेश व शिक्षाएँ किसमें संगृहीत हैं ?

(झ) 'राजर्षि संत पीपाजी' ग्रंथ के सम्पादक का नाम क्या है ?

(ञ) संत मार्ग का अनुसरण करने से पूर्व पीपा कहाँ के शासक थे ?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

मनहुँ कला ससिभानं, कला सोलइसो बत्रिय।
बाल बेसे ससि ता समीप, अंम्रित रस पित्रिय॥
बिगंसि कमल म्रिग भमर, बैन षंजन मृग लुंइय।
हीर कीर अरु बिम्ब, मोती नष सिष, अहि घुट्टिय॥
छत्रपति गयंद हरि हंस गति, विह बनाय संचै सचिय।
पदमिनिय रूप पद्मावतिय, मनहुँ कांम कामिनि रचिय॥

अथवा

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

कुट्टिल केस सुदेस, पौहप रचियत पिक्कसद।
कमलगंध वयसंध, हंसगति चलत मंद मंद॥
सेत वस्त्र सोहै सरीर, नष स्वाति बुंद जस।
भंवर भंवहि भुल्लहिं, सुभाव मकरंद वास रस॥
नैन निरखिं सुष पाय सुक, यह सदिन मूरति रचिय।
उमा प्रसाद हर हेरियत, मिलहिं रजा प्रथिराज जिय॥

इकाई-II

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

सुन रसिया, अब न बजाऊ विपिन बंसिया।
बार बार चरनार विंद गहि, सदा रहव बनि दसिया।
कि छलहुँ कि होएव के जाने, वृथा होएव कुल हँसिया।
अनुभव ऐसन मदन-भुजंगम, हृदय मोर गेल डसिया।
नंद-नंदन तुअ सरन न त्यागब, बलु जग होए दुरजसिया।
विद्यापति कह सुनु वनितामनि, तोर मुख जीतल ससिआ।
धन्य धन्य तोर भाग गोआरिनि, हरि भजु हृदय हुलसिया।

https://www.uokonline.com

https://www.uokonline.com

अथवा

5. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

देख-देख राधा-रूप अपार।

अपरुब के बिहि आनि मिलाओल खिति तल लाबनि-सार।

अंगहि अंग अनंग मुरछायत हेरए पड़ए अधीर।

मनमथ कोटि मथन करुजे जन से हेरि महि मधि गीर।

कत-कत लखिमी तरण-तल ने ओछए रंगिनि हेरि विभोरि।

करु अभिलाख मनहि पद-पंकज अहोनिसि कोर अगोरि।

इकाई-III

6. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

गढ़ पर नीर खीर दुइनदी। पनिहारी जैसे दुरपदी॥

और कुंड एक मोती चूरू। पानी अमृत कीच कपूरू॥

ओहि कै पानि राजा, पै पीया। बिरिध होइ नहिं जौ लहि जीया॥

कंचन-बिरिध एक तेहि पासा। जस कलपतरु इंद्र कबि लासा॥

मूल पतार सरग ओहि साखा। अमरबेलि को पाव को चाखा॥

https://www.uokonline.com

चांद पात जौ फूल तराई। होइ उजियार नगर जहँ ताई॥

वह फल पावै तप करि कोई। बिरिछ खाइ तौ जीवन होई॥

राजा भए भिखारी, सुनि वह अमृत भोग।

जेइ पावा सो अमर भा, ना किछु ब्याधि न रोग॥

अथवा

7. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

पिउ वियोग अस बाउर जीऊ। पपिहा निति बोले पिऊ पीऊ॥

अधिक काम दाधे सो रामा। हरि लेइ सुवा गएउ पिउ नामा॥

बिरह बान तस लाग न डोली। रक्त पसीज, भीजि गई चोली॥

सूखा हिया, हार भा भारी। हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी॥

खन एक आव पेट महँ ! सांसा। खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा॥

पवन डोलावहिं सींचहिं चोला। पहर एक समुझहिं मुख बोला॥

प्रान पयान होत को राखा। को सुनाव पीतम के भाखा॥

आजि जो मारे विरह कै, आगि उठै तेहि लागि।

हंस जो रहा सरीर महँ, पांख जरा, गा भागि॥

https://www.uokonline.com

इकाई-IV

8. कबीर के काव्य के आधार पर कबीर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिये।

अथवा

9. कबीर के भक्ति विषयक विचारों को स्पष्ट कीजिये।

इकाई-V

10. 'राजर्षि संत पीपाजी ने अपना सर्वस्व वैभव त्यागकर निष्कपट भाव से अपनी भक्ति साधना की।' इस कथन को स्पष्ट करते हुए अपने विचार प्रस्तुत कीजिये।

अथवा

11. राजर्षि संत पीपाजी के साहित्यिक अवदान को अपने शब्दों में लिखिये।

खण्ड-स

12. पृथ्वीराज रासो के 'पद्मावती समय' के कथानक के आधार पर पद्मावती एवं पृथ्वीराज का चरित्र-चित्रण कीजिये।

13. दादू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए दादू के दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालिये।

https://www.uokonline.com

14. 'विद्यापति एक सौन्दर्यबोधक कवि थे।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपनी सहमति अथवा असहमति को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये।

15. 'कबीर साहित्य एवं धर्म के क्षेत्र में एक नवीन क्रान्ति के जनक थे।' इस कथन पर अपने विचारों को उदाहरण देकर समझाइये।

https://www.uokonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.uokonline.com